

tically all aspects of university life. And, as far as I remember, some reference has been made to the examinations also. But, it is subject to correction. I cannot say categorically.

Shri Hem Barua: May I know what steps, if any, Government have so far taken against those persons who were responsible for the exhaustion of the university's finances?

Dr. K. L. Shrimali: It is not for the Government to take any action. It was for the University to take the necessary action. This committee was appointed by the University and the University is looking into the matter.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : नया शिक्षा मंत्री जी की जानकारी में यह है कि जब यह जांच समिति चल रही थी, तो विश्वविद्यालय के उन प्राध्यापकों को, जो वहाँ के विभागों के अध्यक्ष थे और जांच समिति के सामने उपस्थित हुए, उस समय भी परेशान किया गया और जब वे किसी कारणवश छुट्टी पर अमरीका जा रहे थे, तो वह छुट्टी प्राप्त करने के सम्बन्ध में भी उन को परेशानियाँ हुईं और जाने के पश्चात् छुट्टी को स्वीकार नहीं किया जा रहा है, जिस का परिणाम यह है कि विश्वविद्यालय के सम्मानपूर्ण प्राध्यापक घीरे घीरे वहाँ से निकल रहे हैं ?

डा० का० ला० श्रीमाली : मेरी जानकारी में नहीं है ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या माननीय मंत्री जानने का प्रयत्न करेंगे ?

डा० का० ला० श्रीमाली : जरूर, अगर माननीय सदस्य मुझे बतायेंगे ।

Levy on Heavy Melting Scrap

- +
- *220. { **Shri Raghunath Singh:**
Shri S. C. Samanta:
Shri Subodh Hansda:
Dr. Pashupati Mandal:
Shri P. R. Patel:

Will the Minister of Steel, Mines and Fuel be pleased to state:

(a) what is the rational basis on which the Government has fixed a levy of 20 tons of heavy melting scrap on every 100 tons of No. 2, 2a or 3 Sheet Cutting scrap exported, 10 tons of heavy melting scrap on every 100 tons of Turning and Borings, cast the export of skull scrap; and

(b) whether it is a fact that the levy has no legal sanction behind it?

The Minister of Mines and Oil (Shri K. D. Malaviya): (a) This step had to be taken because the quantity of heavy melting scrap available from controlled sources was not sufficient to meet the internal requirements of the country. The quantum has, however, been fixed on an *ad hoc* basis.

(b) No, Sir.

Shri Raghunath Singh: May I know whether the Government has enquired into the legality of the sanction of this levy on the scrap?

Shri K. D. Malaviya: There is no legal basis; there is no legal sanction behind it. But, if the hon. Member wishes me to make an enquiry on a specific question, he might refer it to me, and I will try to satisfy him.

Shri S. C. Samanta: Is it not a fact that the levy is on the export of sheet cutting scrap only, whereas on the export of skull scrap there is no levy? Is this not discriminatory and against the law?

Shri K. D. Malaviya: I cannot say. I will require notice to answer this question.

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय जांच समिति का प्रतिवेदन

*२२१ श्री प्रकाश वीर शास्त्री : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि अलीगढ़-मुस्लिम विश्वविद्यालय जांच समिति के

प्रतिवेदन में कुछ ऐसे भी तथ्य सामने आये हैं जिन से यह पता लगता है कि विश्वविद्यालय का धन ले कर कुछ लोग भारत में ही रह रहे हैं और रजिस्ट्रारों में यह लिख दिया गया है कि वह पाकिस्तान चले गये हैं, इसलिये वह धन प्राप्त नहीं किया जा सकता ;

(ख) यदि हां, तो जो लोग भारत में रह रहे हैं, उन से विश्वविद्यालय के धन को वापस लेने को कौन से प्रयत्न किये जा रहे हैं ; और

(ग) सब मिला कर ऐसी यह कितनी धनराशि है जो प्रत्यादेय है ?

शिक्षा मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली) (क) से (ग)। जांच समिति की रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख है कि हानि के लिए उत्तरदायी विश्वविद्यालय के कुछ भूतपूर्व कर्मचारी भारत में हैं। अब तक प्राप्त सूचना के अनुसार, विश्वविद्यालय के इंजीनियरी कालेज वर्कशाप के एक भूतपूर्व कर्मचारी, श्री अब्दुल हाई, जिनके बारे में यह खबर दी गई थी कि वह पाकिस्तान चले गये हैं, कानपुर में रहते हुए पाए गये हैं। विश्वविद्यालय ने उनसे तथ्यों का स्पष्टीकरण करने के लिए कहा। उपर्युक्त व्यक्ति के संबंध में, तथा भारत में किसी अन्य ऐसे कर्मचारी के उपस्थित होने के संबंध में जांच की जा रही है और वधासमय एक विवरण सभा पटल पर रख दिया जाएगा।

श्री प्रकाश बीर शास्त्री : माननीय मंत्री जी ने भ्रमी जानकारी दी है कि एक सज्जन कनपुर में रह रहे थे जिन के लिए कहा गया था कि वह धन ले कर पाकिस्तान चले गए हैं और भ्रमी उन से वह धन प्राप्त नहीं हो सका है। माननीय मंत्री जी ने यह भी बताया है कि किसी अन्य ऐसे कर्मचारी के उपस्थित होने के सम्बन्ध में भी जांच हो रही है। मैं जानना चाहता हूँ कि कुल मिला कर कितना

धन इन लोगों के पास शेष है जिस के लिए लिख दिया गया है कि ये पाकिस्तान चले गए हैं ?

डा० का० ला० श्रीमाली : जहां तक अब्दुल हाई का ताल्लुक है गलत तरीके से स्टोर्ड वगैरह जो खरीदे गए थे उसमें से २१,१३० रुपये १४ आने ६ पाई का नुकसान हुआ था। कुछ गलत तरीके से मशीनों खरीदी थी उसमें १४,६६० रुपये का नुकसान हुआ था।

श्री प्रकाशबीर शास्त्री : इसके अतिरिक्त भी आपने बताया है कि कुछ ऐसे व्यक्ति हैं जिन के सम्बन्ध में जांच हो रही है। मैं जानना चाहता हूँ कि कुल धन की राशि कितनी कितनी है जो कि इनके पास शेष है और जिन के बारे में यह लिख दिया गया है कि वे पाकिस्तान चले गए हैं ?

डा० का० ला० श्रीमाली : इसके बारे में भ्रमी मेरे पास इतिला नहीं है।

सेठ अचल सिंह : मैं जानना चाहता हूँ कि क्या यह सत्य है कि पिछले ग्राम चुनावों में भ्रमीगढ़ यूनिवर्सिटी के कुछ अध्यापकों ने ऐसा बुरा प्रचार किया कि जिससे वातावरण खराब हुआ था ?

डा० का० ला० श्रीमाली : यह प्रश्न इस प्रश्न में से कैसे उठता है।

अध्यक्ष महोदय : "कैसे उठता है," क्यों कहती हैं ? यह कहिये कि "नहीं" उठता है।

डा० का० ला० श्रीमाली : यह प्रश्न इस से से नहीं उठता है।

Shri Hem Barua: What about the loss of Rs. 45 lakhs collected on account of the medical college, that has been pointed out in the report? What action has been taken against those persons who are involved in that loss?

Dr. K. L. Shrimali: I will require separate notice for this.

श्री प्रकाशबोर शास्त्री : माननीय मंत्री जी ने विवरण में कहा है कि यह घन विश्व-विद्यालय से हटाया गया है और अभी तक विश्वविद्यालय के खाते में जमा नहीं किया, जा सका है। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार ने विश्वविद्यालय को इस प्रकार का कोई निर्देश दिया है कि अमूक अवधि तक इसकी पूर्ति हो जानी चाहिए ?

डा० का० ला० श्रीमाली : वक्त वक्त पर यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट आती है और जैसे मैंने निवेदन किया है जितने मामले इस रिपोर्ट में उठाए गए हैं उन सब मामलों की जांच हो रही है और जितनी भी बातें थीं हिसाब वगैरह की वे साफ करने की कोशिश की जा रही है।

श्री प्रकाशबोर शास्त्री : अनिश्चित काल तक यह चीज चलेगी।

Mr. Speaker: Order, order. The hon. Member ought not put a question sitting.

श्री राधे लाल व्यास : जो सज्जन कानपुर में मिले हैं उनको यह नोटिस देने के बजाय कि वह रुपया जमा करायें, उनके खिलाफ पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई क्यों नहीं कराई गई, क्यों उनकी गिरफ्तारी वगैरह नहीं की गई और उनको नोटिस दे कर यह मौका क्यों दिया गया कि जो कुछ भी उनके पास है, उसको भी वह खुर्दबुर्द कर दें ?

डा० का० ला० श्रीमाली : पहले तो यूनिवर्सिटी को यह जांच करनी पड़ेगी कि उनकी कितनी जिम्मेदारी थी। हिसाब किताब वगैरह से जरूर उनका सम्बन्ध था लेकिन पुलिस में कार्रवाई करने के पहले यूनिवर्सिटी को मन्तोष करना पड़ेगा कि उन्हीं की जिम्मेदारी थी या कुछ और दूसरे व्यक्तियों की भी थी।

Shri Damani: May I know on what grounds the University Committee has mentioned that the person in question has gone to Pakistan? What was the

ground on which they presumed like this?

Dr. K. L. Shrimali: The grounds were obvious; this gentleman was a former Workshop Superintendent. Therefore, as far as the Committee was concerned, he had, as Workshop Superintendent, some responsibility in this matter. But detailed investigations will have to be made by the university now.

Mr. Speaker: The Question-list is over. I will go through the list again from the first. But I am not going to show this indulgence to hon. Members who came here and who left, unless they establish that they went out on account of natural causes! Those hon. Members who had come and who were not in their seats when I called them, must at least show this courtesy to the House by asking for apology for not having been in their seats. If any hon. Members had come late, I do not insist this in their case, but it is absolute discourtesy to the House if any hon. Member, after having tabled a question, absents himself when he is called. Am I obliged to waste the time of the House by calling him again? What is this kind of indulgence? I request hon. Members to show greater care and courtesy. Is this the way in which we can raise the importance of Parliament? If this is so, it will become a small body, some panchayat.

Mr. Speaker: Shri Bal Raj Madhok.

Shri Balraj Madhok: Question No. 211.

Mr. Speaker: Even now, he does not express an apology.

Shri Bal Raj Madhok: I am very sorry, Sir.

Pay Scales of Defence Officers

+

*211. { **Shri Balraj Madhok:**
Shri Assar:

Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) whether there has been a further upward revision in the pay